

संपादकीय

कांग्रेस में दिग्गज नहीं दिखा रहे दम

देवदत्त दुबे

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी पराजय के बाद कार्यकर्ताओं से ज्यादा हताश कांग्रेस के दिग्गज नेता दिखा रहे हैं। मुख्यमंत्री दिविजय सिंह, कमलनाथ लोकसभा चुनाव 2024 के लिए काहूं उत्साह दिखाते नज़र नहीं आ रहे जबकि इन दोनों की जोड़ी ने 2018 के विधानसभा चुनाव 2019 के लोकसभा चुनाव और 2023 के विधानसभा चुनाव में भारी दम खम दिखाया।

दरअसल, प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में सरकार बनाने की उम्मीद है। 2018 की तरह बन गई थी लेकिन करारी हार मिलने के बाद पार्टी के राशीय नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन किया। उसके बाद दिविजय सिंह एवं कमलनाथ ने लोकसभा चुनाव के प्रति किसी भी प्रकार का उत्साह नहीं दिखाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिविजय सिंह ने जहां लोकसभा चुनाव लड़ने से ही इनकर कर दिया ब्यक्ति उनके अपीली राज्यसभा के 2 वर्ष का कार्यकाल बाकी है जबकि पार्टी हाईकम्यम और पार्टी के रणनीतिक दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव के मैदान में उत्तरांश चाहते हैं। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी विधानसभा चुनाव के बाद बाहर चले गए थे। कुछ दिन पहले भारतीय और डिविजय अकार औपचारिकता की है। किसी प्रकार की रणनीति बनाने या चुनावी तैयारी जैसा कोई बयान भी सामने नहीं आया है। इसके परिपरात कमलनाथ के पुत्र संसद कमलनाथ को लेकर चर्चाओं का बाजार गम्भीर रहता है कि वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे। यहां तक कि किस पार्टी से लड़ेंगे ऐसे भी प्रश्न चर्चा में आना कांग्रेसिकों के लिए किसी छापे से कम नहीं है।

बहहल, प्रदेश में सीटें जीतने के लिए बुरू स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक जेरदार तैयारी में जुट गई है। सत्ता और संघर्ष कंदमताल करते हुए पूरी तरह से चुनाव पर फोकस किए हुए हैं। पार्टी प्रत्याशीयों को लेकर सर्वे चल रहे हैं नए चेहरों को मैदान में उत्तरों और कुछ दिग्गज नेताओं को लड़ाने पर भी विचार चल रहा है। पार्टी पूरी तरह से चुनावी मॉड में आ चुकी है। गांधीय स्तर पर अंग्रेजी में राम मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा के बाद बने माहौल को पार्टी जन नज़र तक पहुंचा रही है।

वहीं दूसी ओर कांग्रेस पार्टी में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जीतूं पटवारी अपीली जुझार थमता अपीली तक मैदान में नहीं दिखा पर रहे हैं क्योंकि उन्हें नए एसे से पूरे प्रदेश की तासीर समझना है। राजनीतिक हालातों को पार्टी के पक्ष में कैसे लाया जाए इसके लिए कठिन परिश्रम करना है। उनका परिश्रम तभी कामयाब होगा जब पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके साथ कंदमताल करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिविजय सिंह, कमलनाथ पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पवारी, अरुण यादव, कार्तिकाल भरिया, पूर्व नेता प्रतिष्ठानी के बाद उपराज्यमंत्री सिंह एवं कमलनाथ ने उपराज्यमंत्री जैसे नेता जैसे नेता को लिए एसे से हार्दिक चेतना कर रखते हैं। उनको लोकसभा चुनाव में मैदान में उत्तरों हैं खुब चुनाव लड़ते हैं तो कार्यकर्ताओं को भी मनोबल बढ़ाया और अपने साथों और कार्यकर्ताओं को फौज की दम पर यह नेता टकर देते भी नजर आये।

कुल मिलाकर विधानसभा चुनाव की तार के बाद जिस तरह से कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी से किनार कर लिया है न तो लोकसभा चुनाव की तैयारी में कोई रुचि दिखा रहे हैं और न जीतूं गांधीयी की चायां याद के प्रति काहूं उत्साह आया है। उससे कांग्रेस की कमजोरी नहीं आ रही है। 7 फरवरी से होने वाले विधानसभा सर्व में भी यह कांग्रेस अपीली दम नहीं दिखा पाए तो कांग्रेस कैसे महारौ बनाएंगी। कैसे कार्यकर्ताओं को उत्साहित करेंगी इसको लेकर कांग्रेस की रणनीतिकार चिंतन कर रहे हैं।

हेमंत की प्रिपतारी, विपक्षी नेता चिंता में

बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदल कर एवं उनके चले जाने और भाजपा की मदद से मुख्यमंत्री बन उनकी पार्टी के लिए उत्साह दिखाते नेता दिविजय सिंह, कमलनाथ लोकसभा चुनाव 2024 के लिए काहूं उत्साह दिखाते नेता नहीं आ रहे जबकि इन दोनों की जोड़ी ने 2018 के विधानसभा चुनाव 2019 के लोकसभा चुनाव और 2023 के विधानसभा चुनाव में भारी दम खम दिखाया।

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट तीसरे वनडे से बाहर



कैनबरा। वेस्टइंडीज के खिलाफी तीसरे से पहले अस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को हैमिंग्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बैन मैकडमॉट ने अस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को लेकर चौथे टीम के साथ जुड़ा के लिए मैच से हट गए हैं। अस्ट्रेलिया की ओर वह मैच मॉन्टलाबर को मनुका अवलम्बन में खेला जाएगा।

2018 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से बैन मैकडमॉट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए

लेकिन चोट के कारण वह पर्फॉर्मेंस करने नहीं उठा रहे। बैन मैकडमॉट ने शर्निवार को तमामन्या के खिलाफ चल रहे शेसेल्ड शील्ड मैच में अपना एकमात्र शक्ति बनाया था। यह देखता बाबू है कि मैथ्यू शॉर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ 9, 11 और 13 फरवरी को होने वाले आगामी टी20 मैचों के लिए फिट होने वाले जानी।

प्रतिरोधीता में 541 25 रन बनाए के लिए बिंग लीग (कैपिटल) में लेकर चौथे टीम में अस्ट्रेलिया की ओर वह सोमवार कैनबरा में अस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ा के लिए मैच से हट गए हैं। विश्व फुटबॉल की शासी ने आगामी टी20 मैचों के लिए फिट होने वाले जानी।

तीसरे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम स्ट्रीम सिस्थ (कप्तान), सीन एवं, कैपिटल बाट्टिंग, जेक फेजर-मैकार्न, जेविन ग्राहन, आरेन हार्डी, जॉन हेजलवॉल (अ-कप्तान), जेश इंशलिश, मार्नस लावुओन, लॉस मॉरिस, बैन मैकडमॉट, विल सदरलैंड, एडम ज्याम।

पांच महीने बाद एक्शन में वापसी कर चीन ने ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से हराया

महिला एफआईएच प्री लीग

भृन्दवार। यहां के कल्पाणा स्ट्रीमिंग के खिलाफ को अलीपीपी चैपियन ऑस्ट्रेलिया की महिला हाई खिलाड़ियों ने पांच मैचों में ब्रेक के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निराशाजनक वापसी की। महिला एफआईएच में हाँसी प्री लीग सीजन 2023-24 के दूसरे दिन चीन से 3-0 से हार गई।

चीन, जिसमें शनिवार को अपने पहले मैच में मैजबान भारत को हराया था, को मैचों के बीच शोधा बदलाव करना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया

को हारें से पहले उसे कुछ शुभआती दबाव झेलना पड़ा।

युआन मैच में मैच के स्टार गोल किए, जिसमें चीन ने अपने लगातार दूसरे मैच जीता। पहले काटर धीमी गति से खेलने की गति, जिसमें कॉर्करूज ने अधिक अक्रमण किया और हाँसी पर इश्यार्ड लॉनों के स्थग पदक विजया जीते वाले चीन ने ब्रेक पर उड़े क्रांति की कोशिश की। चीनियों ने दूसरे क्रांति में तेजी की वाही और लॉनों के स्थग पदक के लिए और लॉन किसी चुनौती अर्जित किए, लेकिन जोस्टीन बाटिम के लिए ड्रेस

सुस्त हुई शेयर बाजार की शुरुआत, सेसेक्स 72000 के आसपास

मुंबई। एशियाई बाजार में गिरावट के बीच आज यानी सोमवार की भारतीय शेयर बाजार की धीमी शुरुआत हुई है। बीएसई सेसेक्स परेंट्स लॉन से 16 अंक नीचे 72,069 पर कारोबार करता दिखा और एनएसई निफ्टी 50 परी 21,860 पर ट्रेड करता दिखा।

सन फार्मा, टाटा स्टील और एप्पएडम आज ट्राय गेनरेशन रहे। दसरी ओर, बैचमार्क इंडेक्स पर राइटिंग्स आई बैंक, एस्पीआई, कोटक बैंक, रिलैस एस, एचडीएफसी बैंक और इंडसिंड को तुकड़ाया हुआ। व्यापार में बीपीएम और मैकडमॉट को भारतीय शेयर बाजार यानी सोमवार की शुरुआत होने की दिशा तय होती।

बैंक का नेट प्राइफिट वित्तीय वर्ष 2023-24 की अवकूप-दिसेंबर तिमाही यानी कि तीसरी तिमाही में 35

को प्रतिशत गिरकर 9,164 करोड़ रुपये रहा है। वही, चीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 14,205 करोड़ रुपये रहा था। अलायन, आज पर्टीजन के शेरों भी फोकस में रहे।

आज सुबह पर्शियाई बाजारों में गिरावट आई क्वार्को

फेंट प्रमुख जेरोम पॉवेल ने एक केंद्रीय बैंक इस साल दर में कटौती की दिशा के बाजार की उम्मीद से धीमी गति से कटवा दिया।

ही संग, एस्पीएम के शेयर बाजार की बढ़त देखने को मिल सकता है।

अपेक्षित बाजारों में शुक्रवार को एसएंडपी 500 में 1.1 प्रैसदी, ड्राय में 0.4 प्रैसदी और नेस्टेक्स में 1.7 प्रैसदी की बढ़तीरी हुई।

सुबह को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

सुबह को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प्रतिशत गिरावट के बाद भी नीचे रहा।

गुरुवार को आरबीआई का नीतिगत परिणाम इस साल

को प

